



**दुंदौर-म.प्र.**। मस्जिद-उस-सैफी नगर में दाउदी बोहरा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्र.कु. यशवनी। मंचासीन हैं शंकर लालवानी, प्रेसीडेंट, आई.डी.ए., हरिनारायणचारी मिश्रा, डी.आई.जी., शेख शब्बीर भारमल, कमिश्नर, सेंट जॉन एम्बुलेंस बिग्रेड न.3 युनिट, मुम्बई, शेख सैफुद्दीन खन्नाती, वली मुल्ला बोहरा समाज तथा अन्य गणमान्य लोग।



**जम्मू कश्मीर-गांधी नगर।** नए उप मुख्यमंत्री कवींद्र गुप्ता को गुलदस्ता भेंट कर मुबारकबाद देते हुए ब्र.कु. निर्मल तथा ब्र.कु. अंजू।

## रिश्ते बनाने की राह...

**आज के युग में रिश्तों में दरार होना सामान्य सी बात हो गई है। कहाँ तो हम रिश्ते बनाने के लिए उत्सुक होते हैं, वहीं रिश्ते बनते ही टूटने में देरी भी नहीं लगती। अच्छे रिश्तों की राह का चयन हमारे हाथ में है। बशर्ते कि हम उसे ढूँढ़ लें।**

लड़का और लड़की की शादी तो हो चुकी थी, पर दोनों में बन नहीं रही थी। पंडित ने कुंडली के 36 गुण मिला कर शादी का नारियल फोड़वाया था, पर शादी के साल भर बाद ही चिकचिक शुरू हो गई थी। पत्नी अपने ससुराल वालों के उन अवगुणों का भी पोस्टमार्टम कर लेती, जिन्हें कोई और देख ही नहीं पाता था। लगता था कि अब तलाक, तो तब तलाक! पूरा घर तबाह होता नज़र आ रहा था। सबने कोशिश कर ली कि किसी तरह यह रिश्ता बच जाए,

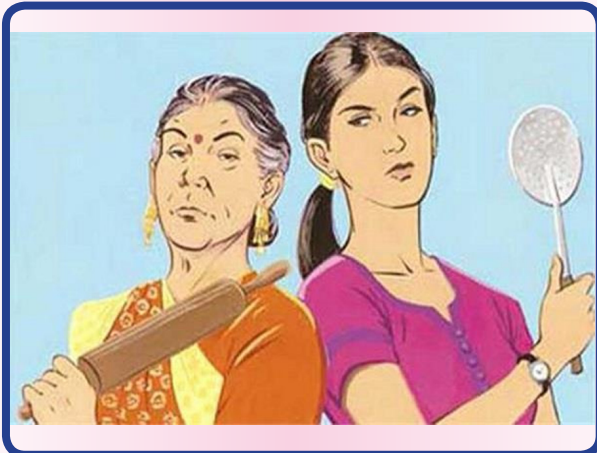
दो परिवार तबाही के दंश से बच जाएं, पर सारी कोशिशें व्यर्थ थीं। जो भी घर आता, पत्नी अपने पति की ढेरों खामियां गिनाती और कहती कि उसके साथ रहना असम्भव है। वो कहती कि इसके साथ तो एक मिनट भी नहीं रहा जा सकता। दो बच्चे हैं और बच्चों की खातिर किसी तरह ज़िंदगी कट रही है। उनके कटु रिश्तों की यह कहानी पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बनी हुई थी। ऐसे में एक दिन एक आदमी सब्जी बेचता हुआ उनके घर आ पहुँचा। उस दिन घर में सब्जी नहीं थी।

‘ऐ सब्जी वाले, तुम्हारे पास क्या-क्या सब्जियां हैं?’ ‘बहन, मेरे पास आलू, बैंगन, टमाटर, भिंडी और गोभी है।’ ‘ज़रा दिखाओ

तो सब्जियां कैसी हैं?’ सब्जी वाले ने सब्जी की टोकरी नीचे रखी। महिला टमाटर देखने लगी। सब्जी वाले ने कहा, ‘बहन, आप टमाटर मत लो। इस टोकरी में जो टमाटर हैं, उनमें दो चार खराब हो चुके हैं। आप आलू ले लो।’

‘मुझे चाहिए टमाटर तो आलू क्यों ले लूं? तुम टमाटर इधर लाओ, मैं उनमें से जो ठीक हैं उन्हें छांट लूंगी।’

सब्जी वाले ने टमाटर आगे कर दिए। महिला खराब टमाटरों को किनारे करने लगी और अच्छे टमाटर उठाने लगी। दो किलो टमाटर हो गया। फिर उसने भिंडी उठाई। सब्जी वाला



फिर बोला, ‘बहन, भिंडी भी आपके काम की नहीं। इसमें भी कुछ भिंडी खराब हैं। आप आलू ले लीजिए। वो ठीक है।’ ‘बड़े कमाल के सब्जी वाले हो तुम। तुम बार-बार कह रहे हो आलू ले लो, आलू ले लो। भिंडी, टमाटर किसके लिए हैं? मेरे लिए नहीं हैं क्या?’

‘मैं सारी सब्जियां बेचता हूँ। पर बहन, आपको टमाटर और भिंडी ही चाहिए। मुझे पता है कि मेरी टोकरी में कुछ टमाटर और कुछ भिंडी खराब हैं, इसीलिए मैंने आपको मना किया। और कोई बात नहीं।’ ‘पर मैं तो अपने हिसाब से अच्छे टमाटर और भिंडियां छांट सकती हूँ। जो खराब हैं, उन्हें छोड़ दूंगी। मुझे अच्छी सब्जियों की पहचान है।’ ‘बहुत

खूब बहन, आप अच्छे टमाटर चुनना जानती हैं, अच्छी भिंडियां चुनना भी जानती हैं। आपने खराब टमाटरों को किनारे कर दिया, खराब भिंडियां भी छांट कर हटा दीं, पर आप अपने रिश्तों में एक अच्छाई नहीं ढूँढ़ पा रही! आपको उनमें सिर्फ बुराइयां ही बुराइयां नज़र आती हैं। बहन, जैसे आपने टमाटर छांट लिए, भिंडी छांट ली, वैसे ही रिश्तों से अच्छाई को छांटना सीखिए। जैसे मेरी टोकरी में कुछ टमाटर खराब थे, कुछ भिंडी खराब थी पर आपने अपने काम लायक छांट लिए, वैसे ही हर आदमी में कुछ न कुछ अच्छाई होती है। उन्हें छांटना आता, तो आज मोहल्ले भर में आपके खराब रिश्तों की चर्चा न चल रही होती।’

सब्जी वाला तो चला गया.. पर उस दिन महिला ने रिश्तों को परखने की विद्या सीख ली थी। उस शाम घर में बहुत अच्छी सब्जी बनी। सबने खाई और कहा, बहू हो तो ऐसी हो।

हमारे अंदर भी अच्छे व बुरे को अलग करने की समझ है। पर कड़वाहट का प्रभाव हमारी उस समझ को दबा देता है और हम यूँ ही फालतू में अपनों से रिश्ते बिगाड़ बैठते हैं। अगर कभी भी हमारे रिश्तों में थोड़ा सा भी ऊपर-नीचे होता है तो अपने को अवकाश दें और सोचें कि आखिर हम चाहते क्या हैं और कर क्या रहे हैं...! बस ये अवकाश रूपी टैबलेट को खा लेना, श्रेष्ठ रिश्ते बनाने की राह को आसान बनाने का सबसे सुंदर व श्रेष्ठ तरीका है। तो आज से आप करेंगे ना...! या यूँ ही कड़वाहट में ही अपनी ज़िन्दगी काटते रहेंगे। इसका सबसे अच्छा तरीका है रिश्ते में आई दरार को एकांत में बैठकर, निष्पक्षता से विचार करें और उसे तुरंत ही दुरुस्त करने की राह अपनायें।



**सीतापुर-उ.प्र.**। शिव संदेश शांति यात्रा को झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए विधायक राकेश राठौर। साथ हैं ब्र.कु. योगेश्वरी, अमर उजाला के ब्यूरो चीफ तथा अन्य।



**हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी।** शासन और प्रशासन द्वारा 29वें सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देने हेतु आयोजित कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए विधायक हरीशंकर माहोर। मंचासीन ए.आर.टी.ओ. महेश कुमार शर्मा, राजयोगी ब्र.कु. दिनेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ब्रजेश राठौर तथा ट्रैफिक इंचार्ज शौर्य कुमार।



**सहरसा-बिहार।** ‘खुशी, स्वास्थ्य या तनाव, स्वयं करें चुनाव’ विषयक कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्र.कु. डॉ. गिरीश पटेल, मुम्बई, एस.पी. अश्विनी कुमार तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्नेहा।



**वडोदरा-अटलादरा।** ‘ध्यान, योग और माइंड पॉवर’ विषय पर आयोजित नौ दिवसीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात् चित्र में माइंड मैनेजमेंट ट्रेनर डॉ. विशाल गांधी, ब्र.कु. अरुणा तथा गणमान्य अतिथिगण।



**मुम्बई-बोरीवली।** आठ से चौदह वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित सात दिवसीय ‘समर कैम्प फॉर डिवाइन चैम्प’ में बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए ब्र.कु. बहन।



**बार्शी-महा.**। बार्शी नगरपालिका एवं श्री भगवंत देवस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री भगवंत महोत्सव के स्थानिक कलावंतों के कार्यक्रम का भगवंत प्रतिमा के पूजन द्वारा उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. संगीता। साथ हैं पूर्व विधायक राजेंद्र राऊत, नगरपाल असिफ तांबोळी, पूर्व नगरपाल विश्वास भाऊ बारबोले, पूर्व नगरपाल रमेश पाटिल, ज्येष्ठ व्यापारी बंडूभाई शहा, महोत्सव समिति अध्यक्ष सुभाष लोढा, महोत्सव समिति सचिव संतोष सूर्यवंशी, महोत्सव समिति खजांची अजित कुंकूलोळ व अन्य।